महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

द रुरल कनेक्ट

खंड 01 अंक 09
मार्च 2022

"शिक्षण सीखने की प्रक्रिया में प्रौद्योगिकी का एकीकरण भविष्य में गेम-चेंजर होगा क्योंकि यह शिक्षकों को सशक्त करेगा, उन्हें स्वायत्तता प्रदान करेगा, और नवीन शिक्षण को बढ़ावा देगा जो अंततः सीखने के परिणामों में सुधार लाएगा" शिक्षा और कौशल विकास एवं उद्यमिता मंत्री, ***श्री धर्मेंद्र प्रधान*** ने कहा।

उन्होंने कहा, "प्रस्तावित डिजिटल विश्वविद्यालय और विस्तारित टी.वी. शिक्षा कार्यक्रम भारत को अमृत काल में चलाने के लिए एक आधुनिक, अग्रणी और व्यावहारिक खाका तैयार करेगा। प्रमुख लाभ गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और कौशल का सार्वभौमिकरण, प्रौद्योगिकी-सक्षम विकास को बढ़ावा देना, आय और निवेश को बढ़ावा देना, रोजगार सृजन को बढ़ावा देना, जीवन को आसान बनाना, नागरिकों को सशक्त बनाना और सभी के लिए कल्याण सुनिश्चित करना होगा। अपनी क्षमताओं को बढ़ाने के लिए शिक्षकों को विभिन्न भाषाओं और विभिन्न विषयों में गुणवत्तापूर्ण ई-सामग्री विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा ताकि कोई भी शिक्षक या छात्र कहीं से भी सामग्री तक पहुंच सके और लाभान्वित हो सके।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर देश को बधाई देते हुए श्री प्रधान ने कहा, ***"आइए हम अपने बच्चों को अधिक जिज्ञासु बनाने और युवाओं में वैज्ञानिक सोच पैदा करने की अपनी सामूहिक जिम्मेदारी को पूरा करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करें।"***

कौशल क्षेत्र को निरंतर कौशल के रास्ते, स्थिरता और रोजगार क्षमता को बढ़ावा देने के लिए पुन: उन्मुख किया जाना है, और राष्ट्रीय कौशल योग्यता फ्रेमवर्क (एन.एस.क्यू.एफ.) को गतिशील उद्योग की जरूरतों के साथ जोड़ा जाएगा। स्किलिंग एंड लाइवलीहुड के लिए डिजिटल इकोसिस्टम - देश-स्टैक ई-पोर्टल - का शुभारंभ नागरिकों को ऑनलाइन प्रशिक्षण के माध्यम से कौशल, कौशल या अपस्किल के लिए सशक्त करेगा। यह प्रासंगिक नौकरियों और उद्यमशीलता के अवसरों को खोजने के लिए ए.पी.आई.-आधारित विश्वसनीय कौशल प्रमाण-पत्र, भुगतान और खोज परतें भी प्रदान करेगा। 'ड्रोन शक्ति' की सुविधा के लिए और ड्रोन-एस-ए-सर्विस के लिए स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने से रोजगार के कई अवसर पैदा होंगे। हमारे युवाओं को इसके लिए तैयार करने के लिए, सभी राज्यों में चुनिंदा आई.टी.आई. में स्किलिंग के लिए आवश्यक पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगे। आवश्यक पाठ्यक्रम विकसित कर इस पहल में मदद करने के लिए शिक्षा पारिस्थितिकी तंत्र भी तैयार किया जाएगा। इस दिशा में अगले वर्ष के दौरान 5000 कौशल केंद्रों में एम.ओ.ई. और एम.एस.डी.ई. की स्किल हब पहल शुरू की जाएगी।

(स्रोत::pib.gov.in)

सीखने के नुकसान को कम करना और सभी के लिए शिक्षा सुनिश्चित करना

- विश्व स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक पहुंच प्रदान करने के लिए **डिजिटल विश्वविद्यालय** की स्थापना की जाएगी।
- सभी बोली जाने वाली भाषाओं में **उच्चतर गुणवत्ता वाली ई-सामग्री** के विकास पर जोर।
- **ई-विद्या के वन क्लास, वन टी.वी. चैनल** कार्यक्रम का विस्तार 12 से 200 टी.वी. चैनलों तक किया जाएगा।
- इससे सभी राज्य **कक्षा I से XII के लिए क्षेत्रीय भाषाओं** में पूरक शिक्षा प्रदान कर सकेंगे।
- प्राकृतिक, शून्य-बजट और जैविक खेती, आधुनिक कृषि की जरूरतों को पूरा करने के लिए राज्यों को **कृषि विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम को संशोधित** करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।
- घरेलू नियमन से **मुक्त जी.आई.एफ.टी. आई.एफ.एस.सी.** में विश्व स्तरीय विश्वविद्यालय स्थापित किए जाएंगे।

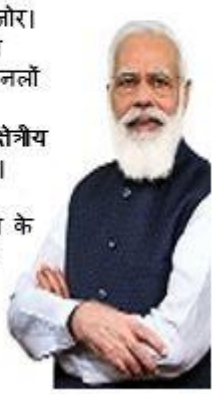

गतिविधियों की समीक्षा - फरवरी 2022

- **400 जिला ग्रीन चैंपियन 2021-22 पुरस्कारों** की घोषणा। उनकी सस्टेनेबिलिटी पहलों के आधार पर, 400 एच.ई.आई. को मेंटर इंस्टीट्यूशंस-डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियंस के रूप में घोषित किया गया था
- स्थायी पहलों को लागू करने वाले उच्चतर शिक्षा संस्थानों की **386** संस्थागत उपलब्धियां (सफलता की कहानियां) प्राप्त की गईं
- संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा के लिए सलाह पर **17 संकाय विकास कार्यक्रम**
- संकाय और प्रतिभागियों को उनके संबंधित राज्यों में वास्तविक संकाय विकास कार्यक्रम को कैसे संचालित किया जाए, इस बारे में प्रशिक्षित करने के लिए **14** प्री-एफ.डी.पी. कार्यशालाएं आयोजित की गईं।
- **117 एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.)** जिला नोडल एजेंसियों के साथ **संस्थागत कार्यशालाएं** – पी.एम.एफ.एम.ई., एम.ओ.एफ.पी.आई. के तहत ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना
- पी.आर.ए. तकनीकों के साथ फील्ड ट्रिप सहित परिसर में अनुभवात्मक शिक्षा, ग्रामीण व्यस्तता, ग्रामीण उद्यमिता और स्थिरता पर **283** संस्थागत कार्यशालाएं
- **ग्रामीण प्रबंधन पर पाठ्यपुस्तक** - स्वच्छता और स्वास्थ्य - प्रकाशित

आगामी! राष्ट्रीय सम्मेलन - हैदराबाद में 21-22 मार्च और 26-27 मार्च को कालेजों और गावों में स्थिरता को बढ़ावा देना। जैव विविधता प्रबंधन, जल प्रबंधन, ऊर्जा प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और परिवहन प्रबंधन के लिए सतत परिसर और सतत सामुदायिक व्यस्तता को बढ़ावा देने और निगरानी में अकादमिक जुड़ाव के लिए एक मंच प्रदान करना।

संपादक की टिप्पणी

जैसा कि हम इस महीने की गतिविधियों की रिपोर्ट करते हैं, यह मुझे बेहद संतुष्टि देता है कि एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने वर्ष के लिए अपनी लक्षित और अनिवार्य गतिविधियों को हासिल कर लिया है। हमने निर्धारित समय के भीतर 400 डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियन अवार्ड्स 2021-22 की घोषणा की है। एस.ए.पी. 2021-22 के कार्यान्वयन के आधार पर उच्चतर शिक्षण संस्थानों की पहचान उनकी स्वच्छता सलाह और ग्राम स्वच्छता निगरानी गतिविधियों के लिए की गई थी। इन एच.ई.आई. ने अपने सस्टेनेबिलिटी इंडेक्स फॉर्म और अपने कैम्पस पहलों में भेजा है और एम.जी.एन.सी.आर.ई. को जल प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन, भूमि उपयोग, हरियाली और ऊर्जा प्रबंधन के क्षेत्रों में एस.ए.पी. कार्यान्वयन मात्रात्मक रूप से अद्यतन किया है। एच.ई.आई. ने अपनी उपलब्धियों के वीडियो प्रस्तुत किए हैं। केस मेथडोलॉजी चर्चाओं में अकादमिक उपयोग के लिए तकनीकी रूप से केसलेट तैयार किए गए हैं। इन रिपोर्टों का अध्ययन और मूल्यांकन एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा किया गया था जिसके आधार पर एच.ई.आई. को मेंटर संस्थानों - डिस्ट्रिक्ट ग्रीन चैंपियन के रूप में चुना गया था।

मैं विज्ञान की भावना को सलाम करता हूं क्योंकि हम डॉ. सी वी रमन की "द रमन इफेक्ट" की खोज के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस (28 फरवरी) मनाते हैं। इस वर्ष का विषय ***"एक सतत भविष्य के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी में एकीकृत दृष्टिकोण"*** गतिविधियों के हमारे क्षेत्रों के लिए प्रासंगिकता पाता है। हम उच्चतर शिक्षा संस्थानों की संस्थागत उपलब्धियों को सस्टेनेबल कैम्पस-सक्सेस स्टोरीज के रूप में दस्तावेज कर रहे हैं। जिन स्थिरता पहलों के लिए उन्हें मान्यता दी गई है, उनमें ठोस और तरल अपशिष्ट प्रबंधन, छात्रावास और रसोई सुविधाएं, परिसर में हरियाली, भूमि उपयोग प्रबंधन, सौर ऊर्जा संरक्षण, जल प्रबंधन और जल संरक्षण, कोविड 19 समर्थन, और गोद लिए गए गांवों में उनके हस्तक्षेप शामिल हैं। इन एच.ई.आई. द्वारा प्रस्तुतियाँ एच.ई.आई. और उनके गोद लिए गए गांवों के परिसरों में स्थिरता को विकसित करने और बढ़ावा देने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. के प्रयासों की सफल रणनीतियों और परिणामों के संकेतक हैं।

हमने ओ.डी.ओ.पी. पर पेशेवर मदद और विशेषज्ञता साझा करने के लिए जिला नोडल एजेंसियों के साथ 117 एक जिला एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) संस्थागत कार्यशालाएं (जहां ग्रामीण उद्यमिता प्रकोष्ठों (आर.ई.डी.सी.) का गठन ग्रामीण उद्यमिता विकसित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पहल के रूप में आयोजन किया।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने 1137 प्रतिभागियों और 468 संस्थानों के साथ ***सामुदायिक व्यस्तता के लिए संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व और सुविधा*** के लिए सलाह पर 17 संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए। एफ.डी.पी. ओडिशा, सिक्किम, त्रिपुरा, असम, पश्चिम बंगाल, मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, दिल्ली, हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, गुजरात और बिहार राज्यों के लिए आयोजित किए गए थे। अकादमिक नेतृत्व को कैसे लागू किया जाए, अच्छे नेता कैसे बनें, अपने संस्थानों को बेहतर स्थिति में कैसे लाया जाए और एन.ए.ए.सी., एन.आई.आर.एफ., एन.बी.ए. और अन्य क्षेत्रीय और राष्ट्रीय साख से सम्मानित होकर विधिवत मान्यता प्राप्त करने के बारे में संकाय को प्रबुद्ध किया गया।

कुल 283 संस्थागत कार्यशालाएं आयोजित की गईं, जिनका उद्देश्य उच्चतर शिक्षा संस्थानों को प्रायोगिक शिक्षण गतिविधियों को लागू करने, ग्रामीण समुदायों से निपटने, ग्रामीण चिंताओं को समझने, ग्रामीण और सामाजिक उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने और जल प्रबंधन, ऊर्जा जैसे परिसर में स्थिरता पहलुओं को लागू करने में मदद करना है। परिसर में संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और हरियाली प्रबंधन। इन कार्यशालाओं में किसी गोद लिए गए या आस-पास के गांव (गांवों) के लिए एक फील्ड ट्रिप भी शामिल है। सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पी.आर.ए.) तकनीकों का उपयोग गाँवों के स्थिरता सूचकांक का आकलन करने के लिए किया जाता है। स्थायी परिसर और गांव (गांवों) की सफलता की कहानियों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा और दस्तावेज रिपोर्ट और वीडियो के रूप में मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाएगा।

मैं उन कॉलेजों और गांवों में स्थिरता को बढ़ावा देने पर हैदराबाद में 21 से 22 मार्च को होने वाले आगामी दो राष्ट्रीय सम्मेलनों को लेकर उत्साहित हूं, जिनके साथ एच.ई.आई. जुड़े हुए हैं; और 26 से 27 मार्च को हैदराबाद में कॉलेजों और गांवों में स्थिरता को बढ़ावा देने की सलाह और सुविधा पर, जिसके साथ एच.ई.आई. जुड़े हुए हैं। सतत प्रथाओं में अनुकरणीय कार्य कर रहे देश भर के 200 उच्चतर शिक्षण संस्थान इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इन उच्चतर शिक्षा संस्थानों को स्थायी प्रथाओं को बढ़ावा देने के लिए सलाहकार संस्थानों के रूप में नामित किया जाएगा।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस विशेष वेबिनार - विवेकानंद और विज्ञान, अध्यात्म और सेवा के प्रतिच्छेदन

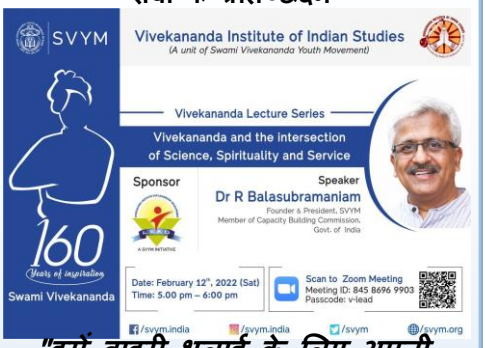

"हमें बाहरी भलाई के लिए अपनी आंतरिक शक्ति का उपयोग करने की आवश्यकता है"

डॉ. आर बालासुब्रमण्यम, क्षमता निर्माण आयोग, भारत सरकार के सदस्य और स्वामी विवेकानंद युवा आंदोलन के संस्थापक और अध्यक्ष ने कहा। प्रतिष्ठित वक्ता ने ऑनलाइन वेबिनार में मानव जाति की निस्वार्थ सेवा के लिए आत्मनिरीक्षण के महत्व की प्रशंसा की। टीम एम.जी.एन.सी.आर.ई. के साथ एम.जी.एन.सी.आर.ई. के चेयरमैन ने कार्यक्रम में भाग लिया। "विज्ञान, अध्यात्म और सेवा आपस में जुड़े हुए हैं। सीखना एक प्रक्रिया है जो विकसित होती है। सेवा का विकास भौतिक से बौद्धिक सेवा से आध्यात्मिक सेवा की ओर होता है। नेतृत्व और कुछ नहीं बल्कि अध्यात्म की साधना है। अध्यात्म और कुछ नहीं बल्कि साधना है। हम खुद को शुरू न करने का बहाना दे रहे हैं क्योंकि हम किसी समस्या से बहुत अधिक अभिभूत हो जाते हैं और सोचते हैं कि हम इतने महत्वहीन हैं कि हम कोई फर्क नहीं कर सकते। अगर हमारे पास सच्ची इच्छा शक्ति है, तो हम काम करने के हजार तरीके खोजने लगेंगे।

डॉ. डब्ल्यू. जी. प्रसन्न कुमार
अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई.

---

400 जिला ग्रीन चैंपियन 2021-22 पुरस्कारों की घोषणा !

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस हमारे दैनिक जीवन में विज्ञान के महत्व के बारे में लोगों में जागरूकता लाने के उद्देश्य से मनाया जाता है। मैं इस उल्लेखनीय दिन पर अपने राष्ट्र की कामना करता हूं और वैज्ञानिक और तकनीकी हस्तक्षेपों के माध्यम से देश की समृद्धि की कामना करता हूं! एम.जी.एन.सी.आर.ई. का काम इस वर्ष सस्टेनेबिलिटी थीम के अनुरूप है। यह साझा (यू.एन.एस.डी.जी.) और हमारे कार्यक्रमों के माध्यम से देश में एच.ई.आई. पर प्रभाव डालने में सक्षम रहे हैं।

देश भर में एच.ई.आई. को 400 जिला ग्रीन चैंपियन अवार्ड्स की घोषणा की हैं। एम.जी.एन.सी.आर.ई. की अपने जनादेश और संगठनात्मक लक्ष्यों के प्रति प्रतिबद्धता का एक संकेतक है।
भारत में विश्वविद्यालयों और उच्चतर शैक्षणिक संस्थानों (एच.ई.आई.) के लिए सतत परिसर और सतत सामुदायिक पहल पर अकादमिक के लिए अगले महीने राष्ट्रीय सम्मेलन निर्धारित हैं
(सार्वजनिक और निजी) जैव विविधता प्रबंधन, अपशिष्ट प्रबंधन और परिवहन प्रबंधन सहित स्थिरता के लिए एच.ई.आई. द्वारा की गई कई स्थायी पहलों को प्रदर्शित करेगा। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने सतत परिसरों और सतत समुदायों पर जोर देने के साथ स्थिरता, स्वच्छता, स्वास्थ्य और सफाई के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालते हुए देश भर में उच्चतर शिक्षण संस्थानों के साथ नेटवर्क और काम किया।

करते हुए खुशी हो रही है कि हम स्थायी लक्ष्यों की दिशा में काम कर रहे हैं

डॉ. भरत पाठक
उपाध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई

संकाय विकास कार्यक्रम

"सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा और संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन"

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने "संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के लिए मार्गदर्शन और सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा" पर 17 संकाय विकास कार्यक्रम आयोजित किए। कुल 468 उच्चतर शिक्षण संस्थानों ने भाग लिया, जबकि कुल 1137 संकाय प्रतिभागियों ने भाग लिया।

अध्यक्ष एम.जी.एन.सी.आर.ई. एफ.डी.पी. प्रतिभागियों (ओडिशा) को संबोधित करते हुए

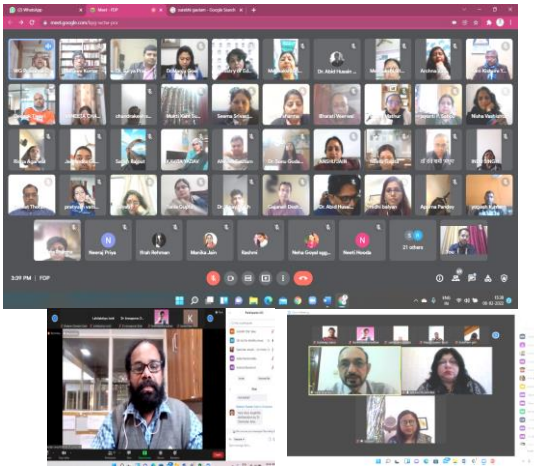

डॉ प्रीति भंडारकर, प्राचार्य, कमला बालिगा कॉलेज ऑफ एजुकेशन कुम्ता, कर्नाटक, शिक्षा में जीवन मूल्यों के विकास पर जोर देते हुए सत्र का संचालन कर रही हैं।

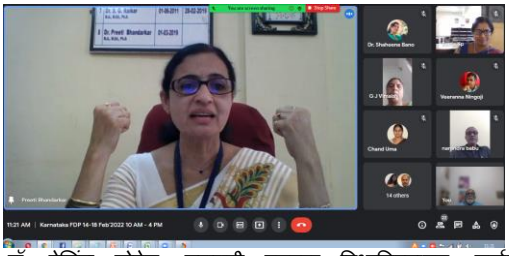

डॉ. बेलिंडा लोपेज, महारानी क्लस्टर विश्वविद्यालय, कर्नाटक, "सामुदायिक व्यस्तता के लिए सुविधा" पर एक सत्र का आयोजन कर रहा है।

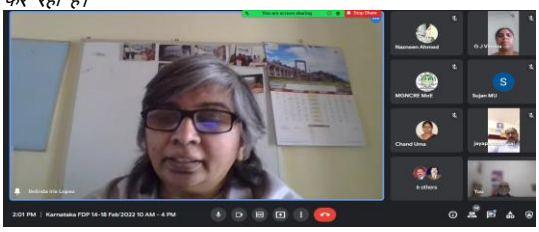

#	राज्य	जिले	प्रतिभागी	संस्थान	दिनांक
1	असम	बिश्वनाथ, होजोई, बजली, पश्चिम कारबियांगलोंग और दक्षिण सालमार	131	20	18-22 फरवरी
2	बिहार	अररिया, अरवल, भोजपुर, कैमूर, कटिहार, किशनगंज, लखीसराय, मधेपुरा, नवादा, रोहतास, शारसा, सारण शेखपुरा, शिवहर, सीवान, सुपौल, पश्चिम चंपारण	37	30	10-14 फरवरी
3	बिहार	अररिया, अरवल, बांका, भोजपुर, बक्सर, जमुई, जहानाबाद, कैमूर, कटिहार, किशनगंज, लखीसराय, मुंगेर	44	26	15-19 फरवरी
4	दिल्ली	मध्य, पूर्व, उत्तर, नई दिल्ली, उत्तर पूर्व, उत्तर पश्चिम, दक्षिण पूर्व, पश्चिम दिल्ली	78	37	2-6 फरवरी
5	दिल्ली	उत्तर पश्चिम दिल्ली, अयोध्या, उत्तर 24 परगना, नामसाई	48	6	14-18 फरवरी
6	गुजरात	जामनगर, बोटाद, पाटन, अरावली, देवभूमि द्वारका, मोरबी, दाहोद और	35	31	8-12 फरवरी
7	हिमाचल प्रदेश और हरियाणा	किन्नौर फतेहाबाद, लाहौल और स्पीति, चरखी दादरी	14	7	12-16 फरवरी
8	कर्नाटक	गडग, कोलार, बेंगलुरु (बैंगलोर) शहरी, धारवाड़, चिकबल्लापुर, हसन, मैसूरु (मैसूर), रामनगर, बेंगलुरु (बैंगलोर) ग्रामीण, कलबुर्गी (गुलबर्गा), तुमकुरु (तुमकुर), बेलागवी (बेलगाम), उत्तर कन्नड़ (कारवार), चित्रदुर्ग, बल्लारी (बेल्लारी), हावेरी	50	20	14-18 फरवरी
9	केरल	त्रिवेंद्रम, पठानमथिट्टा, अलाप्पुझा, इडुक्की, एर्नाकुलम, कोट्टायम, त्रिशूर, कोझीकोड, मलप्पुरम, पलक्कड़	63	47	27 जनवरी - 2 फरवरी
10	मध्य प्रदेश	खरगोन, धार, नीमच, सिंगरौली, हरदा, सिवनी, झाबुआ, नरसिंगपुर, मुरैना, शहडोल, श्योपुर	35	20	27-31 जनवरी
11	मध्य प्रदेश	अलीराजपुर, अशोकनगर, छतरपुर, कटनी, रीवा, सागर, श्योपुर, शिवपुरी	55	26	4-8 फरवरी
12	मध्य प्रदेश	आगर मालवा, बड़वानी, बैतूल, छिंदवाड़ा, होशंगाबाद, खंडवा	48	19	14-18 फरवरी
13	उड़ीसा	मयूरभंज, बोलांगीर, कोरापुट, क्योंझर, सुंदरगढ़ और सुबरनपुर	147	60	2-6 फरवरी
14	पंजाब	बरनाला, फरीदकोट, फाजिल्का, फिरोजपुर, मानसा, लुधियाना	42	24	14-18 फरवरी
15	सिक्किम और त्रिपुरा	पश्चिम सिक्किम, उत्तरी सिक्किम, दक्षिण सिक्किम	158	35	8-12 फरवरी
16	तमिलनाडु	पुदुक्कोट्टई, रानीपेट, तिरुवरुर, तिरुचिरापल्ली	33	20	31 जनवरी - 4 फरवरी
17	पश्चिम बंगाल	झारग्राम, उत्तर दिनाजपुर, बीरभूम, अलीपुरद्वार, कूचबिहार	119	40	23-27 फरवरी
			1137	**468**	

प्रो. रीमा एग्नेस फ्रैंक, मैनेल श्रीनिवास नायक इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट ने "ग्रामीण अर्थव्यवस्था: कृषि: प्राथमिकता मानचित्रण: व्यक्तिगत व्यायाम" और ग्रामीण संस्थान: पेस्टल विश्लेषण पर सत्र आयोजित किया

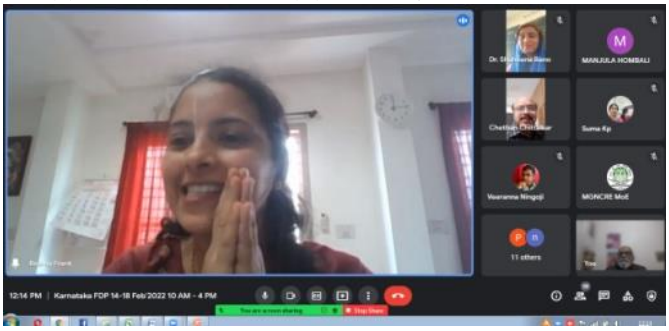

विक्टर पॉल, निदेशक, सी.एस.ए., क्राइस्ट यूनिवर्सिटी, कर्नाटक, और डॉ. अंबरेशा ने उन्नत भारत अभियान (यू.बी.ए.) / स्वच्छ भारत अभियान (एस.ए.पी.) पर एक सत्र का आयोजन किया - एच.ई.आई. में नेतृत्व में भूमिका - भविष्य की कार्य योजना

डॉ. रियो, एस.जे.ई.सी., मैंगलोर के प्राचार्य और डॉ. राममांडा, एस.जे.ई.सी. के डीन, ने प्रतिभागियों को डिग्री कॉलेज के छात्रों में सामाजिक उत्तरदायित्व विकसित करने के महत्व के बारे में बताया। एस.जे.ई.सी. ने यू.बी.ए. के लिए आवेदन किया है और गांवों में काम शुरू करना है। एस.जे.ई.सी. प्राचार्य छात्रों को लाइव प्रोजेक्ट लेने के लिए प्रोत्साहित करते हैं जो ग्रामीणों के सामने आने वाली दैनिक समस्याओं का समाधान करते हैं।

डॉ. एकेश्वरी राठौड़, लक्ष्मी वेंकटेश देसाई कॉलेज, रायचूर कर्नाटक, "ग्रामीण प्राकृतिक संसाधन: स्वच्छता: समस्या समाधान" पर सत्र का संचालन करते हुए

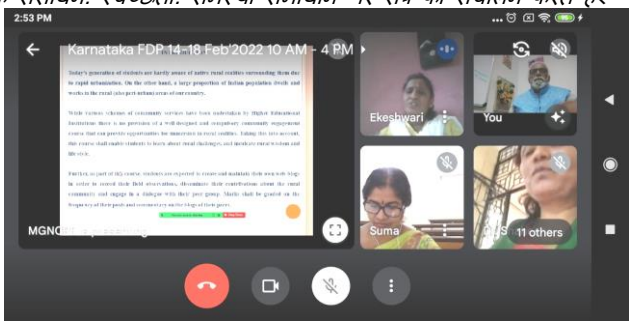

डॉ. दिनेश सी.एम., शासकीय प्रथम ग्रेड कॉलेज एवं पीजी सेंटर "ग्रामीण समाजः प्राकृतिक संसाधन, मूल्य एवं आधारभूत संरचनाः पी.आर.ए. तकनीक"

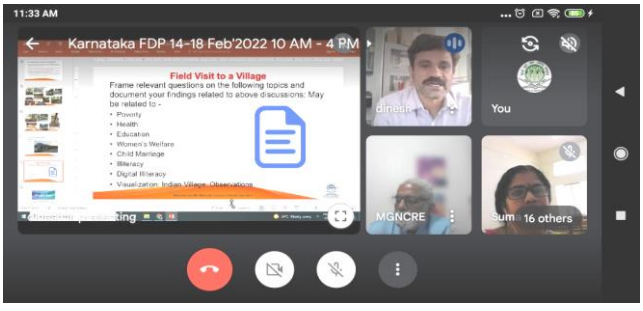

डॉ. गीता आर.एम., श्री मुरुघा राजेंद्र स्वामीजी बी.एड. एवं एम.एड. कॉलेज द्वारा ग्रामीण अर्थव्यवस्था और जल प्रबंधन पर सत्र का संचालन: श्री बसवराज अप्पा जी (कलबुरागी से कृषि उद्यमी) के साथ व्यक्तिगत अभ्यास।

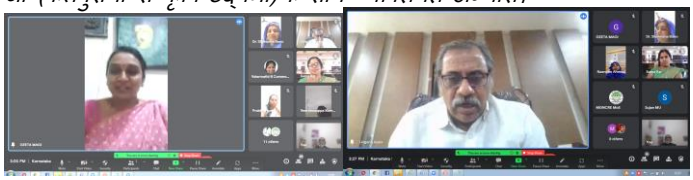

भाग्यवती एच.आर., गवर्नमेंट फर्स्ट ग्रेड कॉलेज हुंगुंड बगलकोट कर्नाटक "ग्रामीण संस्थान: एस.एच.जी., पी.आर.आई., सिविल सोसाइटी और स्थानीय प्रशासन" पर एक सत्र आयोजित कर रहा है।

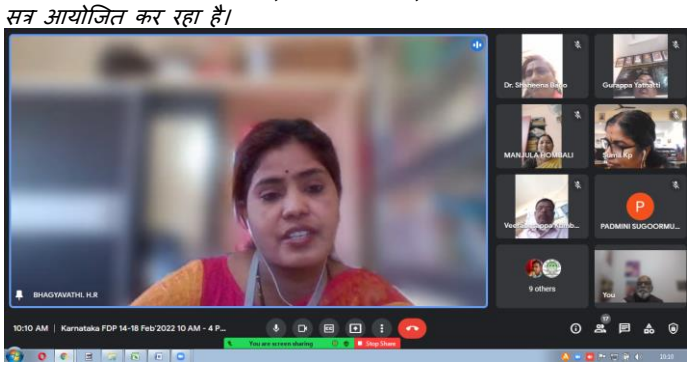

एफ.डी.पी. - दिल्ली

एफ.डी.पी. - सिक्किम और त्रिपुरा

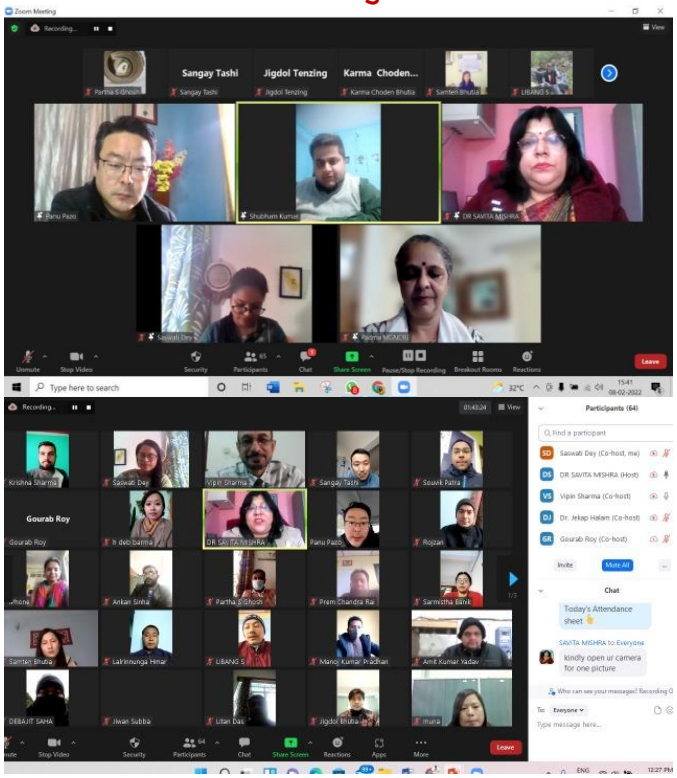

के.आई.आई.टी. विश्वविद्यालय भुवनेश्वर के संसाधन व्यक्तियों, डी.ओ.पी.टी. प्रशिक्षकों, जाजान विश्वविद्यालय सऊदी अरब ने एफ.डी.पी. में सत्र लिया।

एफ.डी.पी. - बिहार

जब आप शुरुआत करते हैं और आप अकेले शुरू करते हैं तो बाधाएं आती हैं लेकिन जैसा कि रतन टाटा कहते हैं,"वह पत्थर लें जो दूसरे आप पर फेंकते हैं और एक स्मारक का निर्माण करते हैं" ज्योति सिंह राठौर, महिला उद्यमी अकेले शुरुआत करने पर।

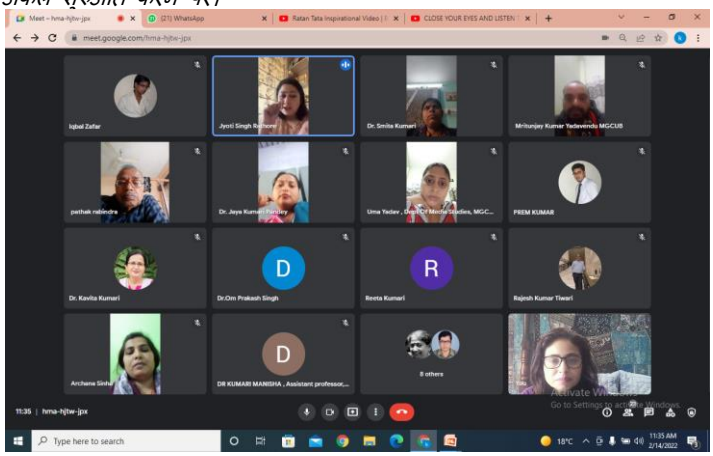

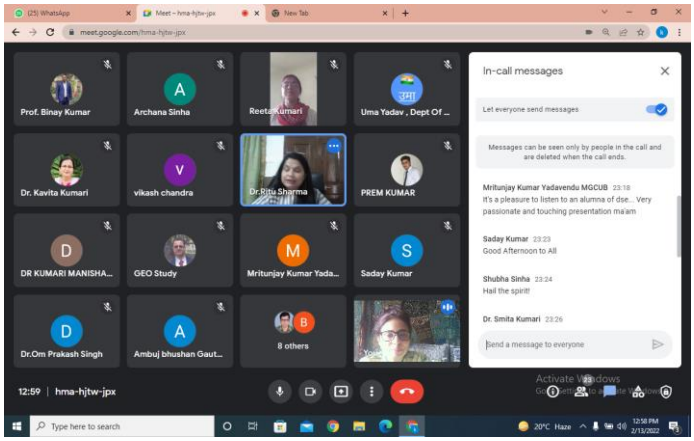

कैसे महिलाएं एक-दूसरे की मदद और समर्थन कर सकती हैं पर एशिया के सबसे बड़े एन.जी.ओ. की सदस्य डॉ. रितु शर्मा हैं

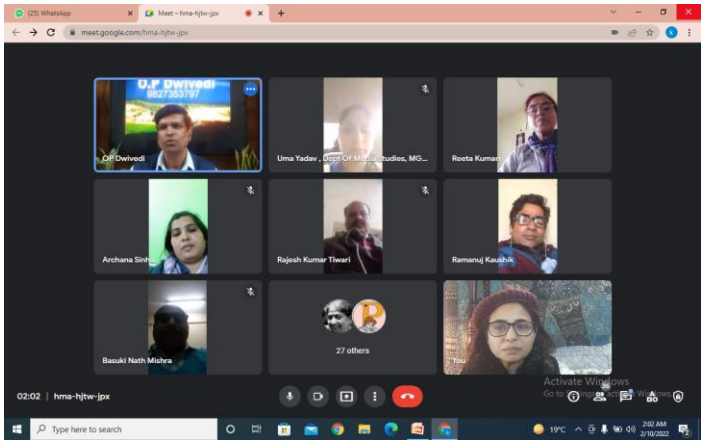

एफ.डी.पी. - मध्य प्रदेश

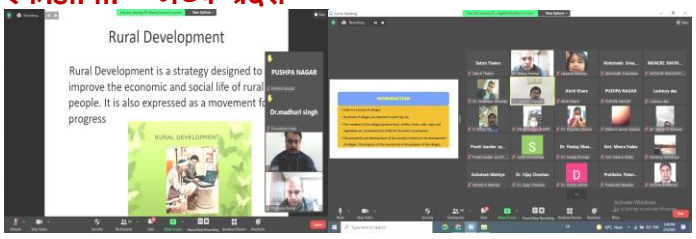

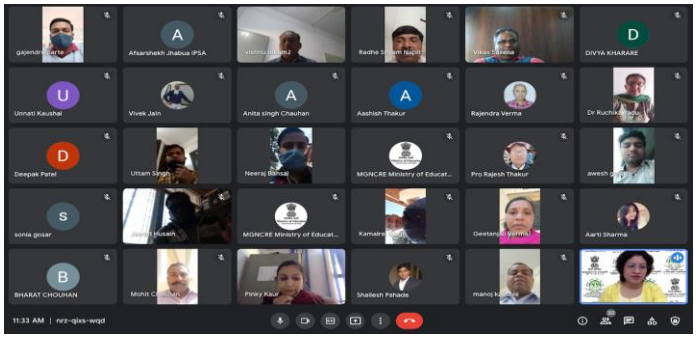

एफ.डी.पी. - गुजरात

डॉ. शांतनु सौरभ ने ग्रामीण संस्थानों और स्थानीय प्रशासन के बारे में इंटरैक्टिव मोड में चर्चा की। इस पर प्रतिभागियों ने अपने विचार और अनुभव साझा किए।

प्रो. संजय वनानी ने प्रतिभागियों के साथ बातचीत के माध्यम से ग्रामीण अर्थव्यवस्था, उद्यमिता और एफ.पी.ओ. के साथ सहयोग, ग्रामीण प्रबंधन पहल / ग्रामीण सामूहिक के बारे में चर्चा की।

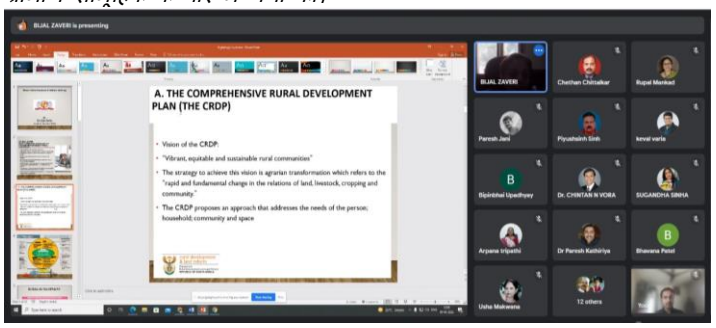

डॉ. बिजल जावेरी ने रूरल इंफ्रास्ट्रक्चर पर चर्चा की। ग्रामीण मूल्यों पर वीडियो केस पर भी चर्चा की गई।

एफ.डी.पी. - हरियाणा और हिमाचल प्रदेश

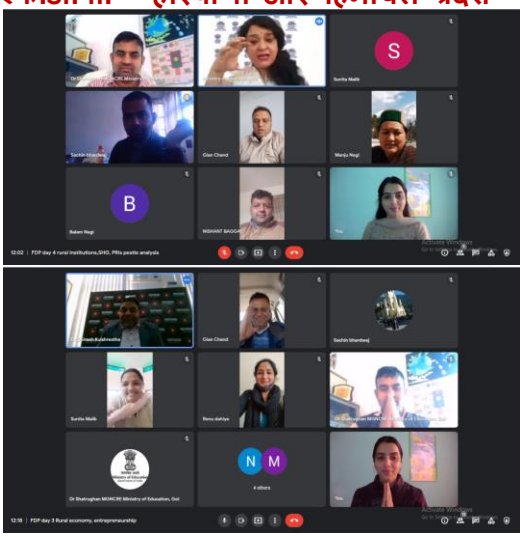

डॉ. धीरेश कुलश्रेता ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था और इसके महत्व पर बात की।

एफ.डी.पी.-असम

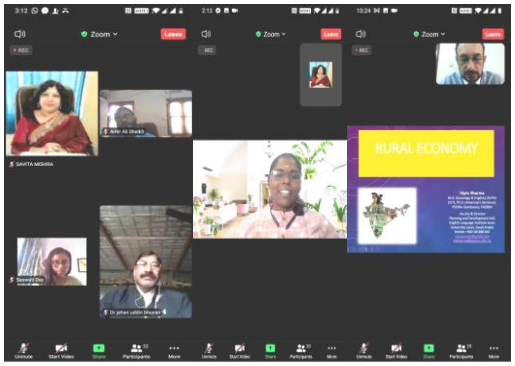

डॉ. के.एन. रेखा ग्रामीण उद्यमिता पर सत्र लेते हुए

एफ.डी.पी. - पश्चिम बंगाल

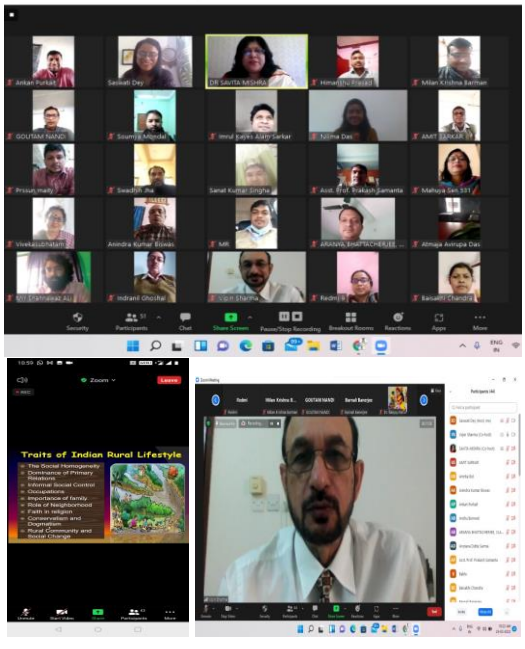

एफ.डी.पी. के प्रमुख सीखने के परिणाम

- परामर्श और सुविधा, सामुदायिक व्यस्तता में संस्थागत उत्तरदायित्व संस्थागत सफलता के लिए महत्वपूर्ण
- ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समझना, और एफ.पी.ओ. के साथ कैसे सहयोग करना है
- ग्रामीण समाज की प्रकृति, ग्रामीण मूल्य और उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों को समझना जिनका उपयोग ग्रामीण लोगों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने के लिए ठीक से किया जा सकता है
- ग्रामीण लोगों के उत्थान में ग्रामीण संस्थाओं की भूमिका की पहचान करना।
- गोद लिए गए गांवों में पेस्टल विश्लेषण को अपनाना
- गोद लिए गए गांवों में समस्याओं का पता लगाने के लिए पी.आर.ए. तकनीकों और उपकरणों को लागू करना और गांवों में मौजूदा समस्याओं के संभावित समाधान का सुझाव देना
- श्रवण कौशल सभी सीखने का आधार है
- छात्रों को प्रेरित करने से छात्रों को बेहतर नागरिक बनने में मदद मिलेगी।
- संस्थाएं वर्षा जल संचयन स्थापित कर सकती हैं।
- उपयुक्त नलसाजी और रखरखाव के साथ पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग शौचालय। बिजली और संभावित अक्षय ऊर्जा स्रोत जैसे परिसर और आसपास के समुदाय में सौर और पवन ऊर्जा दोहन संयंत्र।

टी.एन. एफ.डी.पी. एम.आई.एस.आर. और एफ.सी.ई. - प्रतिभागी प्रतिपुष्टि

दिन 5: 04 फरवरी 2022

दिन के सत्र से दो प्रमुख सीखने के बिंदु	मुझे दिन के सत्रों के बारे में क्या पसंद आया
यू.बी.ए. में कैसे कार्य करें, एस.ए.पी. के कार्य	प्रतिभागियों द्वारा साझा किया गया अनुभव
यू.बी.ए. फंड	नेतृत्व गुण और समर्पण
हमेशा बेहतरीन नया तरीका	हमेशा की तरह सब कुछ
महिला सशक्तिकरण, विचारों से अधिक मूल्य और नवाचार।	यू.बी.ए. और हमारे संस्थानों को यू.बी.ए. से जोड़ने के तरीके
एच.ई.आई. की जवाबदेही और अनुवर्ती कार्रवाई पर चिंता	ग्रामीण समुदाय से सही तरीके से कैसे संपर्क करें
एन.जी.ओ. प्रक्रिया कैसे लागू करें	उन सभी को
जिम्मेदारी और मूल्य	कॉलेज गतिविधि प्रस्तुतियाँ
केले का उपयोग, वृक्षारोपण	रचनात्मकता
बहुत बढ़िया, प्रेरणा	सकारात्मक बल
यू.बी.ए. आर.सी.आई. और ग्रामीण विकास	यू.बी.ए. आर.सी.आई.
फंड से संपर्क करना और विचारों को प्रेरित करना सीखना	सभी अच्छी तरह से है
ग्रामीण विकास और नेतृत्व	दोपहर का सत्र
सब कुछ ठीक है	सामाजिक जिम्मेदारी
बहुत उपयोगी	उत्कृष्ट
संगठित, गांव से डेटा एकत्र करें और कैसे लागू करने का प्रयास करें	सामाजिक जिम्मेदारी
बहुत ही उपयोगी कार्यक्रम	नैतिक कहानी
निरंतर खोज से नवीन अनुसंधान होता है, अच्छी सलाह और सुविधा।	अरुणचलम मुरुगनाथम महोदय निरंतर शोध, पद्मा एवं वनथी मैडम परामर्श सुविधा अंदाज
ग्रामीण विकास साझा करने का अनुभव	प्रतिभागियों से सीखने के बिंदु
यू.बी.ए. और पेस्टल विश्लेषण में उत्पन्न होने वाला फंड	डॉ. रेक्स महोदय, पद्मा मैडम और वनथी व्याख्या
विकास के लिए गांवों को गोद लेने के सीखे नियम और प्राप्त किया यू.बी.ए. का विवरण	सभी सत्र इंटरैक्टिव थे

एफ.डी.पी. - तमिलनाडु

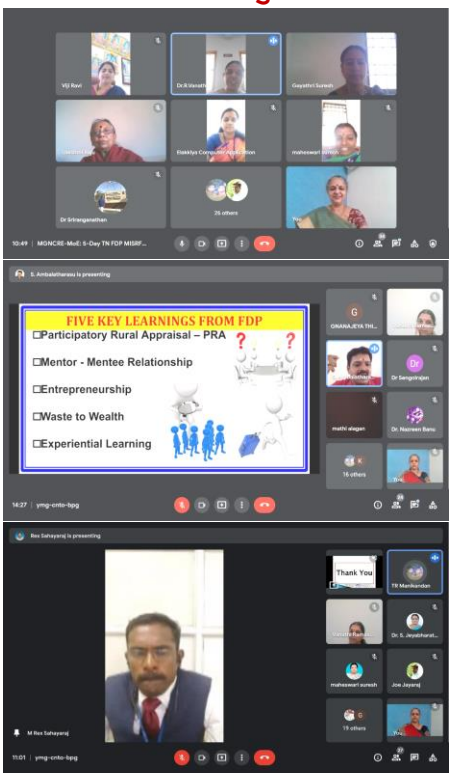

आजादी का अमृत महोत्सव

डाइट में नई तालीम व्यावसायिक शिक्षा और अनुभवात्मक शिक्षा की गतिविधियां 476 विजेताओं की घोषणा की गई और सम्मानित किया गया।

निरंतरता में आंशिक सूची से.....

#	डाइट/संस्थान	# विजेता
101	महोबा	3
102	मलप्पुरम	3
103	ममित मिजोरम	3
104	मटाना (बायट फतेहाबाद)	3
105	मेरठ	3
106	मोरीगांव	3
107	मोतीबाग (जतिन मीणा-वन ओपनिंग)	3
108	मुर्शिदाबाद पश्चिम बंगाल	3
109	मुजफ्फरनगर	3
110	नादिया डब्ल्यूबी	3
111	नगांव	3
112	नागौरी	3
113	नागपुरमहाराष्ट्र	3
114	नगरीछत्तीसगढ़	3
115	नांदेड़	3
116	नंदुरबारी	3
117	नरारो	3
118	नरवाल कानपुर नगर	3
119	नासिक एम.एच.	3
120	नूरसराय नालंदा बिहार	3
121	उस्मानबाद	3
122	पी.टी.टी कॉलेज रेहला झारखण्ड	3
123	पाली	3
124	परभनी	3
125	पाटन बिहार	3

ओ.डी.ओ.पी. थॉट लीडरशिप सेशन

ओ.डी.ओ.पी. थॉट लीडरशिप सत्र में डॉ. सुभाष के. नागरे, निदेशक, प्रसंस्करण और योजना, कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र से आग्रह किया कि, ***"कॉलेज में ग्रामीण उद्यमिता में इंटर्नशिप और अपरेंटिसशिप लें"।***

ओ.डी.ओ.पी. योजना

- यह योजना एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) दृष्टिकोण अपनाती है जो इसे इनपुट की खरीद, सामान्य सेवाओं का लाभ उठाने और उत्पादों के विपणन के मामले में पैमाने का लाभ उठाने में सक्षम बनाता है।
- एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) एक पहल है जिसे जिले की वास्तविक क्षमता को साकार करने, आर्थिक विकास को बढ़ावा देने और रोजगार और ग्रामीण उद्यमिता पैदा करने की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम के रूप में देखा जाता है, जो हमें आत्मानिर्भर भारत के लक्ष्य तक ले जाता है। एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) पहल का परिचालन रूप से 'निर्यात हब के रूप में जिलों' के साथ विलय कर दिया गया है।
- इसका उद्देश्य जिले में निर्यात क्षमता वाले उत्पादों की पहचान करके, इन उत्पादों के निर्यात के लिए बाधाओं को दूर करके, विनिर्माण को बढ़ाने के लिए स्थानीय निर्यातकों / निर्माताओं का समर्थन करके, और भारत के बाहर संभावित खरीदारों को खोजने के द्वारा देश के प्रत्येक जिले को निर्यात हब में परिवर्तित करना है। जिले में निर्यात को बढ़ावा देना, विनिर्माण और सेवा उद्योग को बढ़ावा देना और जिले में रोजगार पैदा करना है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठ (आर.ई.डी.सी.) ने 24 फरवरी को महाराष्ट्र में एक विचार नेतृत्व सत्र का आयोजन किया। सत्र की अध्यक्षता निदेशक, प्रसंस्करण और योजना, कृषि आयुक्तालय, महाराष्ट्र **डॉ. सुभाष के. नागरे** ने की हैं। सत्र में महाराष्ट्र जिला राज्य नोडल एजेंसी (एस.एन.ए.) के जिला नोडल अधिकारियों और 36 में से 29 जिलों के डिग्री कॉलेजों के प्रधानाचार्यों ने भाग लिया। **श्री पंकज महले**, संस्थापक और सी.ई.ओ., ग्रामहित (https://gramheet.com/who-we-are.html) एक विशेष अतिथि के रूप में शामिल हुए और ग्रामीण उद्यमिता में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। डॉ. सुभाष नागरे ने महाराष्ट्र के जिलों में पी.एम.एफ.एम.ई.-ओ.डी.ओ.पी. योजना के कार्यान्वयन पर विस्तृत विचार साझा किए और छात्रों के लिए अनुभवात्मक शिक्षण गतिविधियों को जोड़ने और तलाशने के लिए डिग्री कॉलेजों के सभी जिला नोडल अधिकारियों के संपर्क विवरण भी साझा किए। डॉ. नागरे ने कॉलेज में युवाओं को ग्रामीण उद्यमिता में इंटर्नशिप और अप्रेंटिसशिप लेने के लिए प्रोत्साहित किया। निदेशक ने एस.एन.ए. के माध्यम से अपना समर्थन दिया और संस्थानों से अच्छी प्रतिक्रिया की उम्मीद की।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार और रोजगार प्रदान करने और ग्रामीणों को उनकी कमाई में सुधार करने में मदद करने के एक महत्वपूर्ण पहलू के रूप में ग्रामीण उद्यमिता पर जोर दिया। कॉलेजों को डी.एन.ओ. और उद्यमियों (उद्योग अकादमिक कनेक्ट) से जोड़ने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. जिला स्तरीय क्लस्टर और संस्थागत कार्यशालाओं के माध्यम से जिलों के साथ अनुवर्ती कार्रवाई करेगा।

श्री पंकज महले यवतमाल जिले में बेहतर कमाई और नुकसान को कम करने की वकालत करके ग्रामीण विकास और किसानों के जीवन स्तर में सुधार के लिए काम करते हैं। उन्होंने शुरुआती दिनों में एक ग्रामीण उद्यमी के रूप में संघर्ष करने के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। उनका सुझाव है कि पी.एम.एफ.एम.ई. ओ.डी.ओ.पी. को उद्यमी उद्यम के शुरुआती दिनों में हाथ पकड़ने और वित्तीय सहायता के एक मॉडल का पालन करना चाहिए। परीक्षण के समय आम तौर पर उद्यमियों को तोड़ देते हैं और वे आगे बढ़ने के लिए हतोत्साहित हो जाते हैं और वे वापस कहीं और नौकरी पर लौट आते हैं। उन्होंने एम.जी.एन.सी.आर.ई. -ओ.डी.ओ.पी. पहल पर प्रसन्नता व्यक्त की।

117 एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) संस्थागत (ग्रामीण उद्यमिता प्रकोष्ठों (आर.ई.डी.सी.) के साथ) जिला नोडल एजेंसियों के साथ स्तरीय कार्यशालाओं का आयोजन ओ.डी.ओ.पी. पर पेशेवर मदद और विशेषज्ञता साझा करने के लिए किया गया था। ग्रामीण उद्यमिता विकसित करने के लिए एम.जी.एन.सी.आर.ई. की पहल के हिस्से के रूप में संस्थानों में ग्रामीण उद्यमिता विकास प्रकोष्ठों का गठन किया गया था। एम.जी.एन.सी.आर.ई. ने ग्रामीण उद्यमिता को संबोधित करने के लिए एक जनपद एक उत्पाद (ओ.डी.ओ.पी.) अभियान शुरू किया। ओ.डी.ओ.पी. अवधारणाओं का अध्ययन और कौशल में परिवर्तित करते समय इंटर्नशिप के अवसर प्रदान करता है। प्रत्येक जिले को संबंधित ओ.डी.ओ.पी. उत्पाद लेने और उत्पाद की गुणवत्ता में सुधार के तरीके खोजने, अधिशेष कृषि-उत्पाद का प्रबंधन करने और ग्रामीण से शहरी (खेत से घर) विपणन संबंध बनाने पर काम करने की आवश्यकता है जो ग्रामीण कृषि उद्यमी को उसकी आय में सुधार करने में मदद कर सकता है।

एम.जी.एन.सी.आर.ई. इंटर्न देश भर के संबंधित जिलों में ओ.डी.ओ.पी. दृष्टिकोण के विपणन और ब्रांडिंग में पेशेवर मदद और समर्थन प्रदान कर रहे हैं। प्रत्येक संस्थान को मान्यता के एक संस्थागत प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा।

आंध्र प्रदेश राज्य में ओ.डी.ओ.पी. शुरू करने के लिए अपोलो विश्वविद्यालय, चित्तूर, आंध्र प्रदेश में एक क्लस्टर स्तर की बैठक आयोजित की गई थी।

ओ.डी.ओ.पी. कार्यशालाएं प्रगति पर हैं

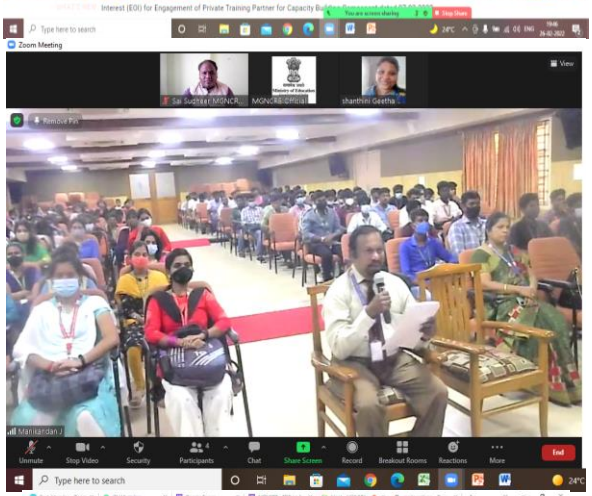

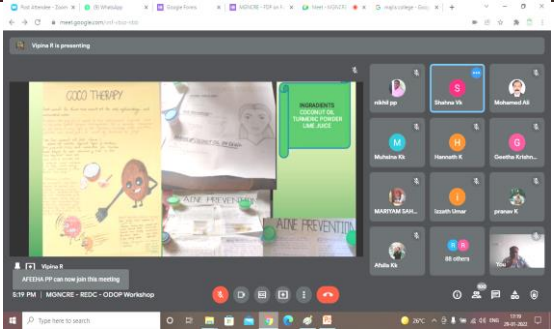

संस्थागत कार्यशालाएं/क्षेत्र का दौरा

उच्चतर शिक्षण संस्थानों के संकाय सदस्यों और छात्रों के लिए 283 कार्यशालाएं आयोजित की गई, जिनमें किसी गोद लिए गए या आसपास के गांव (गांवों) का फील्ड ट्रिप भी शामिल है। सहभागी ग्रामीण मूल्यांकन (पी.आर.ए.) तकनीकों का उपयोग गाँवों के स्थिरता सूचकांक का आकलन करने के लिए किया जाता है। स्थायी परिसर और गांव (गांवों) की सफलता की कहानियों का दस्तावेजीकरण किया जाएगा और दस्तावेज रिपोर्ट और वीडियो के रूप में मंत्रालय को प्रस्तुत किया जाएगा।

इन कार्यशालाओं से एच.ई.आई. को प्रायोगिक शिक्षण गतिविधियों को लागू करने, ग्रामीण समुदायों से निपटने, ग्रामीण चिंताओं को समझने, ग्रामीण और सामाजिक उद्यमिता को प्रोत्साहित करने, सामाजिक जिम्मेदारी को बढ़ावा देने और जल प्रबंधन, ऊर्जा संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन और हरियाली प्रबंधन जैसे परिसर में स्थिरता पहलुओं को लागू करने में मदद मिलेगी। परिसर में।

आंगनबाडी कार्यकर्ताओं से बातचीत

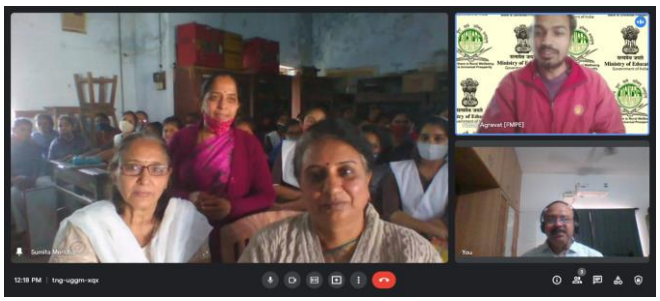

FORM IV

1. Place of publication	: Hyderabad
Address	: 5-10-174, Shakkar Bhavan, Ground Floor, Fateh Maidan Road Hyderabad - 500 004, Telangana
2. Periodicity of its publication	: Monthly
3. Printer's Name	: M/s Sai Likhita Printers
Nationality	: Indian
Address	: #H.NO. 6-2-959, D.B.Hindi Prachara Sabha Complex Khairatabad, Hyderabad-500004, Telangana
4. Publisher's Name	: Dr. W G Prasanna Kumar
Nationality	: Indian
Address	: 5-10-174, Shakkar Bhavan, Ground Floor, Fateh Maidan Road, Hyderabad - 500 004, Telangana
5. Editor's Name	: Dr. W G Prasanna Kumar
Nationality	: Indian
Address	: 5-10-174, Shakkar Bhavan, Ground Floor, Fateh Maidan Road, Hyderabad - 500 004, Telangana
6. Names and addresses of individuals who own the newspaper and partners or shareholders holding more than one percent of the total capital	: Mahatma Gandhi National Council of Rural Education 5-10-174, Shakkar Bhavan, Ground Floor, Fateh Maidan Road, Hyderabad - 500 004, Telangana

I, Dr. W G Prasanna Kumar, hereby declare that the particulars given above are true to the best of my knowledge and belief.

Date : 01-03-2022

Sd/-

Signature of Publisher

महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद
(पूर्व में राष्ट्रीय ग्रामीण संस्थान परिषद)
उच्चतर शिक्षा विभाग, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार

5-1-174, शक्कर भवन, फतेह मैदान रोड, बशीरबाघ, हैदराबाद, तेलंगाना - 500004
दूरभाष: 040-23212120, 2342205, फैक्स: 040-23212114, ई-मेल: admin@एम.जी.एन.सी.आर.ई..in, वेबसाइट: www.एम.जी.एन.सी.आर.ई..org
संपादकीय टीम: डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई., डॉ.डी.एन.दास, सहायक निदेशक, अनसूया.वी, संपादक
महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद (एम.जी.एन.सी.आर.ई.) की ओर से डॉ. डब्ल्यू.जी. प्रसन्न कुमार, अध्यक्ष, एम.जी.एन.सी.आर.ई. द्वारा प्रकाशित और मुद्रित
आरएनआई नं: TELENG /2021/81111 रु. 5/- 8 पृष्ठ